(ग) 'अंधेर नगरी' **अथवा** 'भारत दुर्दशा' नाटक के नामकरण की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) एकांकी-तत्त्वों के आधार पर 'भोर का तारा' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'विषकन्या' एकांकी के कथानक पर विचार कीजिए।

★★★

M.L.C. LIBRARY G.L. CHOUDHURY COLLEGE

2023

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–4036

(हिन्दी नाटक एवं एकांकी)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित एक नाटक का नाम लिखिए।

(ख) 'अंधेर नगरी' **अथवा** 'भारत दुर्दशा' के प्रकाशनवर्ष का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'अंधेर नगरी' **अथवा** 'भारत दुर्दशा' में कितने अंक हैं?

(घ) पठित नाटक में उल्लिखित कालिदास की किसी एक रचना का नामोल्लेख कीजिए।

(ङ) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में कितने अंक हैं?

(च) चन्द्रविजय किस एकांकी का पात्र है?

(छ) 'भोर का तारा' एकांकी के एकांकीकार कौन हैं?

(ज) शेखर की प्रेयसी कौन है?

(झ) मोतीलाल कौन है?

(ञ) मोहन राकेश द्वारा रचित किसी एक नाटक (पठित नाटक से भिन्न) का नाम बताइए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) नाटक और एकांकी के दो अंतर लिखिए।

(ख) "अरे बाबा, क्यों बेकसूर का प्राण मारते हो? भगवान के यहाँ क्या जवाब दोगे?" उक्त कथन किसने किससे कहा है?

अथवा

"महाराज, फिर संतोष ने भी बड़ा काम किया। राजा-प्रजा सबको अपना चेला बना लिया।" प्रस्तुत कथन किसका एवं किसके प्रति है?

(ग) निक्षेप का परिचय दीजिए।

(घ) जगदीशचंद्र माथुर की एकांकियों की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) "दूध, औलाद और स्त्री को बिगड़ते देर नहीं लगती बाबूजी।" प्रस्तुत कथन के प्रसंग का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) नाटक के विविध प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'अंधेर नगरी' **अथवा** 'भारत दुर्दशा' में निहित व्यंग्य पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) 'आषाढ़ का एक दिन' में अम्बिका की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

(घ) 'भोर का तारा' एकांकी का संदेश प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) मीना के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

(च) अपराजिता की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"माँ का जीवन भावना नहीं कर्म है। उसे घर में बहुत कुछ करना पड़ता है।"

अथवा

"जिसको तुम सुख मानती हो वह छलना है, भ्रम है। वह असलियत नहीं है। वह हमारे देश की बात नहीं; हमारी गृहस्थी का रूप नहीं है।"

(ख) प्रसादोत्तरकालीन हिन्दी नाटक के विकास पर एक निबंध लिखिए।

अथवा

भारतेन्दु काल में रचित एकांकी-साहित्य का परिचय दीजिए।